

भारत सरकार  
परमाणु ऊर्जा विभाग  
राज्य सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 2402  
जिसका उत्तर दिनांक 24.03.2022 को दिया जाना है

देश में परमाणु ऊर्जा उत्पादन

2402 श्री पि. भट्टाचार्य :

ले. जनरल (डा.) डी. पी. वत्स (रिटा.) :

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या यह सच है कि निकट भविष्य में देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए परमाणु ऊर्जा एक प्रमुख ऊर्जा स्रोत बन जाएगी;
- (ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) देश में परमाणु ऊर्जा उत्पादन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या सरकार के पास देश में परमाणु ऊर्जा की क्षमता में वृद्धि करने का प्रस्ताव है; और
- (ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

- (क) तथा (ख) नाभिकीय ऊर्जा, बिजली का एक स्वच्छ, पर्यावरण अनुकूल आधार भार स्रोत है जो 24X7 उपलब्ध है। इसमें विशाल क्षमता है जो देश को संधारणीय तरीके से दीर्घकालीन ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करा सकती है। इसके अतिरिक्त, नाभिकीय विद्युत क्षमता का विस्तार शुद्ध शून्य अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को पूरा करने के लिए देश के ऊर्जा परिवर्तन में भी सहायता करेगा। अतः नाभिकीय ऊर्जा देश के ऊर्जा मिश्रण का एक महत्वपूर्ण घटक है और इसे ऊर्जा के अन्य स्रोतों के साथ इष्टतम तरीके से प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।
- (ग) 6780 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 22 रिएक्टर वर्तमान में प्रचालित हैं और एक रिएक्टर, केएपीपी-3 (700 मेगावाट) को जनवरी-2021 में ग्रिड से जोड़ दिया गया है। वर्तमान में, 8700 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 11 रिएक्टर निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं (ग्रिड से जोड़े गए केएपीपी-3 (700 मेगावाट) सहित)।

(घ) जी, हां ।

(ड) सरकार ने शीघ्रगामी (फ्लोट) मोड में स्थापित किए जाने के लिए 10 स्वदेशी 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) के निर्माण के लिए प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय मंजूरी प्रदान कर दी है । निर्माणाधीन (8700 मेगावाट) और मंजूरी प्राप्त (7000 मेगावाट) परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर, नाभिकीय क्षमता वर्ष 2031 तक 22480 मेगावाट पहुंचने की आशा है । सरकार ने अधिक नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए पांच नए स्थलों के लिए 'सिद्धांततः' अनुमोदन भी प्रदान कर दिया है ।

\* \* \* \* \*